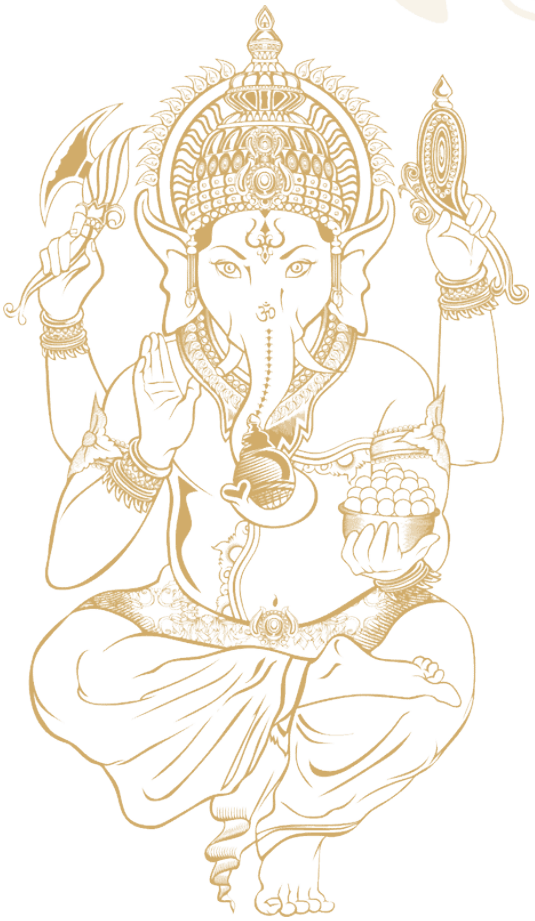

KAKA TUSHAR OBROI

20 Sep 2025

06:08 PM

Delhi

Model: Baby-Horoscope

Order No: 119521601

तिथि 20/09/2025 **समय** 18:08:00 **वार** शनिवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:13:03
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	17:45:30 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:06:34 घं	योनि	मूषक
सूर्योदय	06:08:36 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	18:19:57 घं	वर्ण	क्षत्रिय
चैत्रादि संवत	2082	वश्य	वनचर
शक संवत	1947	वर्ग	श्वान
मास	आश्विन	युँजा	मध्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	अग्नि
तिथि	14	जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
नक्षत्र	पू०फाल्गुनी	पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-रजत
योग	साध्य	होरा	शुक्र
करण	शकुनि	चौघड़िया	काल

विंशोत्तरी		योगिनी	
शुक्र 12वर्ष 0मा 24दि		उल्का 3वर्ष 7मा 13दि	
शुक्र		उल्का	
20/09/2025		20/09/2025	
15/10/2037		04/05/2029	
	00/00/0000		00/00/0000
	00/00/0000		20/09/2025
	00/00/0000	संकटा	03/11/2026
	20/09/2025	मंगला	03/01/2027
राहु	15/12/2027	पिंगला	05/05/2027
गुरु	15/08/2030	धान्या	04/11/2027
शनि	15/10/2033	भ्रामरी	04/07/2028
बुध	14/08/2036	भद्रिका	04/05/2029
केतु	15/10/2037		

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			00:36:36	मीन	पू०भाद्रपद	4	गुरु	मंगल	---	0:00			
सूर्य			03:35:41	कन्या	उ०फाल्गुनी	3	सूर्य	शनि	सम राशि	1.34	कलत्र	पितृ	सम्पत
चंद्र			18:37:20	सिंह	पू०फाल्गुनी	2	शुक्र	राहु	मित्र राशि	1.22	अमात्य	मातृ	जन्म
मंगल			04:34:23	तुला	चित्रा	4	मंगल	शुक्र	सम राशि	1.42	पुत्र	भ्रातृ	क्षेम
बुध		अ	09:30:33	कन्या	उ०फाल्गुनी	4	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि	1.15	भ्रातृ	ज्ञाति	सम्पत
गुरु			26:50:37	मिथु	पुनर्वसु	3	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि	1.23	आत्मा	धन	साधक
शुक्र			07:00:13	सिंह	मघा	3	केतु	राहु	शत्रु राशि	1.14	मातृ	कलत्र	अतिमित्र
शनि	व		04:20:51	मीन	उ०भाद्रपद	1	शनि	शनि	सम राशि	1.39	ज्ञाति	आयु	वध
राहु			24:09:27	कुंभ	पू०भाद्रपद	2	गुरु	बुध	मित्र राशि		---	ज्ञान	साधक
केतु			24:09:27	सिंह	पू०फाल्गुनी	4	शुक्र	बुध	शत्रु राशि		---	मोक्ष	जन्म

लग्न-चलित

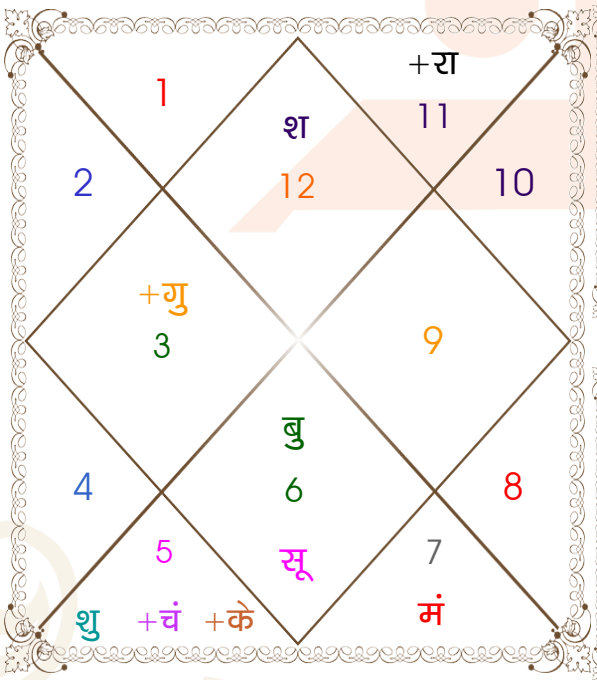

चन्द्र कुंडली

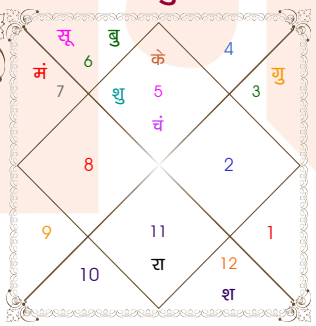

नवमांश कुंडली

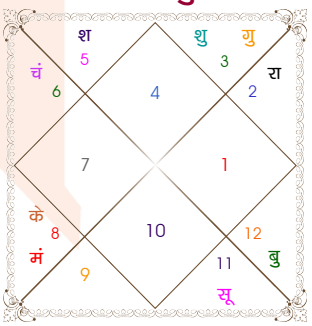

सर्वाष्टकवर्ग

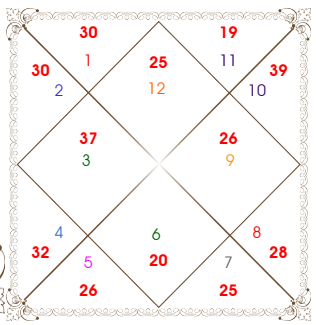

दशमांश कुंडली

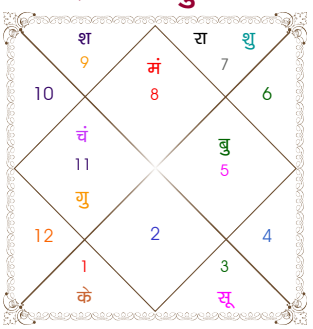

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

नक्षत्रफल

आप पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में उत्पन्न हुए हैं। अतः आपकी जन्म राशि सिंह तथा राशि स्वामी सूर्य होगा। नक्षत्रानुसार आपका वर्ण क्षत्रिय, वर्ग श्वान, योनि मूषक, नाड़ी मध्य तथा मनुष्य गण होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपका जन्म नाम का प्रारम्भ "ट" या "टा" अक्षर से होगा।

आप अपने जीवन काल में विद्या को अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे आप स्वभाव से ही गम्भीर होंगे तथा समस्त क्रिया कलापों को गम्भीरता से ही सम्पन्न करेंगे। स्त्री के आप विशेष प्रिय रहेंगे तथा उससे पूर्ण सम्मान तथा आदर प्राप्त होगा। साथ ही समस्त भौतिक तथा सांसारिक सुखसंसाधनों से भी आप युक्त रहेंगे तथा आनन्द पूर्वक जीवन में इनका उपभोग करेंगे। इसके साथ ही बड़े बड़े विद्वान भी आपको आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे।

विद्या गोधन संयुक्तो गम्भीरः प्रमदाप्रियः।
पूर्वाफाल्गुनिकां जातः सुखी पंडित पूजितः।।
मानसागरी

अर्थात् पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में उत्पन्न जातक विद्या, गौ एवं धन से सम्पन्न, गम्भीर प्रकृति वाला, स्त्रियों का प्रिय, सुखी तथा विद्वानों द्वारा पूजनीय होता है।

आप अत्यन्त ही प्रिय एवं मधुर वाणी का प्रयोग करेंगे जिससे अन्य जन आपसे प्रसन्न तथा प्रभावित रहेंगे साथ ही आप व्यवहार कुशल व्यक्ति होंगे तथा अपने व्यवहार से सबको प्रसन्न रखेंगे। दानशीलता का भाव भी आपके स्वभाव में विद्यमान रहेगा तथा समय समय पर अपनी इस प्रवृति का आप पालन करते रहेंगे। आपके शरीर की कान्ति भी दर्शनीय होगी। यात्रा तथा भ्रमण करना आपके प्रिय कार्य होंगे साथ ही आप राजकीय सेवा में भी तत्पर रहेंगे।

प्रियवाग्दाता द्युतिमानटनो नृपसेवको भाग्ये।
बृहज्जातकम्

अर्थात पूर्वाफाल्गुनी में उत्पन्न जातक प्रिय वक्ता, व्यवहारज्ञ, दानप्रिय, कान्तियुक्त शरीर वाला, यात्रा प्रिय तथा राज्य में राजसेवक होता है।

आपके स्वभाव में चंचलता की प्रबलता रहेगी तथा कठोर कर्मों को करने के लिए भी यदा कदा आप उद्यत रहेंगे। तथा समय समय पर इस प्रवृति का आप समाज में प्रदर्शन करते रहेंगे। आप में दृढता के भाव की भी अधिकता होगी तथा सभी कार्यों तथा समस्याओं का दृढ़ता से संचालन करके उनमें सफलता को प्राप्त करेंगे।

फल्गुन्यां चपलः कुकर्मस्त्यागी दृढ़ कामुको।
जातकपरिजातः

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

अर्थात् पूर्वा फाल्गुनी में उत्पन्न जातक चंचल, कुकर्म करने वाला, त्यागी, दृढ़ तथा कामवासना प्रधान व्यक्ति होता है।

आपके अन्दर बहादुरी तथा साहसी के समस्त गुण विद्यमान रहेंगे। आप निर्भय होकर अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही आपके द्वारा बहुत से अन्य जनों का पालन पोषण भी किया जाएगा। सैक्स की तरफ आप अधिक आकर्षित रहकर मन में कष्ट प्राप्त करेंगे। आपकी आखें भी छोटी होगी तथा सभी कार्यकलाप चतुराईपूर्ण ढंग से सम्पन्न होंगे।

शूरस्त्यागी साहसी भूरिभर्ता कामार्तोऽपिस्याच्छिरालोऽतिदक्षः।
धूर्तः क्रूरोऽत्यन्त सत्रजातगर्वः पूर्वाफाल्गुनयास्ति चेज्जन्मकाले।।
जातकाभरणम्

अर्थात् पूर्वाफाल्गुनी में उत्पन्न जातक शूरवीर, दानी, बहुतों का पोषक, चतुर, धूर्त, कामातुर, कठोर हृदय और अतिघमण्डी होता है।

आपका जन्म स्वर्ण पाद में हुआ हैं। यद्यपि स्वर्ण पाद में उत्पन्न होने से जातक को कई प्रकार से दुःख एवं कष्ट प्राप्त होते हैं। उसका शारीरिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता तथा धनाभाव हमेशा रहता है। साथ ही जातक जीवन में सुखसंसाधनों से भी हीन रहता है। सांसारिक कार्यों में उसे अल्प मात्रा में ही सफलता अर्जित होती है। इसके अतिरिक्त जीवन के हर क्षेत्र में अत्याधिक परिश्रम के द्वारा उसे अल्प सफलता प्राप्त होती है। चूंकि आपका चन्द्रमा जन्म कुण्डली में अपनी शुभ राशि में स्थित है। अतः आपके लिए यह अशुभ नहीं रहेगा।

अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा शत्रु अल्प मात्रा में रहेंगे तथा वे आपसे पराजित तथा प्रभावित होंगे। परन्तु कभी कभी आपके स्वभाव में क्रोध तथा उग्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा। आपका सौन्दर्य आकर्षक होगा एवं शरीर में पूर्ण रूप से कोमलता विद्यमान रहेगी। आप अपने जीवन में विविध प्रकार के सुखसंसाधनों को अर्जित करेंगे तथा प्रसन्नताा पूर्वक उसका उपभोग करने में भी सफल रहेंगे। द्रव्यों के प्रति भी यदा कदा आपकी आसक्ति रहेगी एवं कभी कभी सामान्य बीमारियों से भी आप पीड़ित रहेंगे।

सिंह राशि में पैदा होने के कारण आप स्वभाव से उग्र तथा तेज रहेंगे। आपकी आखें छोटी तथा पीतवर्ण की होंगी। पर्वतों तथा वनों में भ्रमण करने के आप विशेष इच्छुक रहेंगे। कभी कभी आप अकारण ही जल्दी उत्तेजित भी हो जाया करेंगे। आपकी तृष्णाएं अधिक होगी अतः पूरी न होने पर कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। आप दानी प्रकृति के व्यक्ति होंगे तथा समय समय पर जरूरत मन्द लोगों को दान देते रहेंगे। माता से आपको पूर्ण प्यार तथा स्नेह की प्राप्ति होगी। आपकी संतति में पुत्रों की संख्या थोड़ी रहेगी। आप स्थिर बुद्धि के पुरूष होंगे फलतः धैर्य का गुण आप में व्याप्त रहेगा।

तीक्ष्णः स्थूलहनुविशालवदनः पिङ्गेक्षणोऽल्पात्मजः।
स्त्रीद्वेषी प्रियमासकाननगः कुप्यत्यकार्ये चिरम्।।
क्षुतृष्णोदरदन्तमानसरुजा सम्पीडितस्त्यागवान।

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com

विक्रान्तः स्थिरधीः सुगर्वितमनामातुर्विधेयो योळर्कभे।।
बृहज्जातकम्

आपके शरीर की अस्थियां पुष्ट रहेंगी तथा शरीर में रोग भी अल्प मात्रा में ही रहेंगे। आपका गला स्थूल होगा तथा उग्र प्रकृति से भी आप युक्त रहेंगे। किसी भी कार्य को प्रारम्भ करने से पहले आप कण्ठ से विशेष ध्वनि निकालेंगे। आपका सीना विस्तृत तथा आकर्षक होगा। समाज में सभी लोग आपके पराक्रम से प्रभावित होकर आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। आप हमेशा चौकस रहेंगे तथा किसी भी कार्य को करने से पूर्व चारों तरफ की परिस्थितियों का निरीक्षण करेंगे तथा संतुष्ट होने पर ही उसे प्रारम्भ करेंगे।

स्थूलास्थिर्मन्दरोमा पृथुवदनगलो ह्रस्वपिङ्गाक्षियुग्मः।
स्त्रीद्वेषी क्षुत्पिपासा जठररुदरजपीडितो मांसभक्षः।।
दाताती क्ष्णोळल्पपुत्रो विपिननगरतिमातृवश्य सुवक्षा।
विक्रान्तः कार्यालापी शशभृतिरविभे सर्वगम्भीर दृष्टिः।।
सारावली

आपकी मुखाकृति विस्तृत तथा हनुभाग स्थूलता से युक्त होगा। साथ ही आप अभिमानी भी होंगे तथा छोटी छोटी बातों पर अभिमान करेंगे परन्तु माता के हमेशा आप अत्यन्त प्रिय रहेंगे।

पिङ्गेक्षणः स्थूलहनुर्विशालवक्त्रोळभिमानी सपराक्रमः।
कुप्यत्कार्ये वनशैलगामी मातुर्विधेयः स्थिरधीः मृगेन्द्रेण।।
फलदीपिका

आप उदरपूर्ति योग्य जीविकार्जन से ही सन्तोष एवं शान्ति का अनुभव करेंगे। मांस के प्रति आपकी लोलुपता अधिक मात्रा में रहेगी तथा गहन गुफाओं तथा वनों में जाने के लिए आप हमेशा उत्सुक रहेंगे। सेवक तथा बन्धुवर्ग से भी आप युक्त रहेंगे। आपका वक्षस्थल भी विशाल रहेगा।

उदरभरणतुष्टः क्रोधनो मांसलुब्धो।
गहनगुरुगुहानां सेवको बंधुहीनः।।
कपिलनयन भग्नस्तुङ्गवक्षाः क्षुधार्तो।
विपुल सुरतसेवी सिंह राशि भे मनुष्यः।।
जातकदीपिका

आप स्वभाव से ही क्षमाशील रहेंगे तथा किसी को भी दण्ड देने की अपेक्षा क्षमा करना अधिक उपयुक्त समझेंगे। आप अपने कार्यों को करने में हमेशा तत्पर तथा व्यस्त रहेंगे। खाली या निष्क्रिय होकर बैठना आपको उचित नहीं लगेगा। आप मांस तथा मदिरा के प्रति भी विशेष अनुराग रखेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका सेवन करेंगे। आपका अधिकांश समय देश विदेश की यात्राओं तथा इधर उधर भ्रमण करने में ही व्यतीत होगा। ठण्ड से आपको अत्यन्त ही कष्टानुभूति होगी। आपके मित्र भी अच्छे तथा गुणवान होंगे। अन्य लोगों के प्रति आपका

व्यवहार विनयशील रहेगा अतः सभी लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। माता तथा पिता के आप अत्यन्त प्रिय एवं स्नेहशील रहेंगे। संसार में आप पूर्ण रूप से यश अर्जित करेंगे तथा प्रख्यात रहेंगे।

अचल काननयानमनोरथं गृहकलित्रच गलोदरपीडनम्।
द्विजपतिमृर्गराजगतो नृणांवितनुते तनुतेजविहीनताम्।।
जातकाभरणम्

आपकी आखें तथा शरीर की बनावट सुन्दर तथा दर्शनीय होगी। साथ ही आपकी दृष्टि भी गम्भीर रहेगी एवं सम्पूर्ण जीवन समस्त सुख संसाधनों से युक्त होकर व्यतीत होगा।

सिंहस्थे पृथुलोचनः सुबदनो गम्भीरदृष्टिः सुखी।।
जातक परिजातः

आप मनुष्य गण में उत्पन्न हुए हैं। अतः आप धार्मिक कार्य कलापों में हमेशा रूचिशील रहेंगे तथा देवताओं एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में गहन श्रद्धा का भाव विद्यमान रहेगा। कभी कभी आप में गर्व की भावना भी उत्पन्न होगी तथा इसका भी आप प्रदर्शन करेंगे। दया के भाव से भी आप युक्त रहेंगे। बल का आप में अभाव नहीं रहेगा तथा स्वयं के बल से कार्यों को सम्पन्न करेंगी। साथ ही आप अन्य कलाओं के भी जानने वाले होंगे। ज्ञानार्जन में आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा समाज में विद्वान कहलाएंगे आपका शरीर कान्ति से युक्त रहेगा। इसके साथ ही आप बहुत से लोगों के सुखदाता तथा पालनकर्ता भी होंगे।

समाज से आपको पूर्ण रूप से मान तथा सम्मान प्राप्त होगा तथा सर्व प्रकार के धनैश्वर्य से आप सुसम्पन्न रहेंगे। आपकी आखें भी विशालाकृति की होंगी तथा निशाना लगाने में आप दक्षता प्राप्त होंगे। आप का वर्ण गौर वर्ण का होगा तथा नगर वासियों को वश में करने में आप पूर्ण रूप से सफल रहेंगे।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

मूषक योनि में उत्पन्न होने के कारण आप एक तीव्रबुद्धि के पुरूष होंगे तथा हमेशा धनैश्वर्य तथा वैभव से सम्पूर्ण रहेंगे। इनका आपके जीवन में अभाव नहीं रहेगा। आप आलस्य तथा अभिमान की प्रवृति से बहुत दूर ही रहेंगे फलतः समाज में अन्य जन आपका पूर्ण आदर तथा सम्मान करेंगे। लेकिन अन्य जनों पर सामान्यतया विश्वास नहीं करेंगे तथा जो भी कार्य उनसे करवाना हो उसे अपने समक्ष ही सम्पन्न करवाएंगे।

बुद्धिमान् वित्तसम्पूर्णः स्वकार्यकरणोद्यतः।
अप्रमतोऽप्यविश्वासी नरो मूषक योनिजः।।
मानसागरी

अर्थात मूषक योनि का जातक बुद्धिमान, धनवान, स्वकार्य में तत्पर, गर्वहीन तथा किसी पर भी विश्वास न करने वाला होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति षष्ठ भाव में स्थित है। अतः माता के आप प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। परन्तु समय समय पर उन्हें शारीरिक परेशानी होती रहेगी। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नहीं रहेगा एवं जीवन में आपको पूर्ण सहायता प्रदान करेंगी। साथ ही आपके कार्यों के व्यवधान आदि को भी दूर करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी एवं आपकी सफलता की हमेशा इच्छुक रहेंगी।

आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धावान रहेंगे एवं आजीवन उनकी सेवा के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही समय समय पर उनको अपनी ओर से वांछित सहयोग तथा सहायता भी प्रदान करेंगे। आपके संबंध मधुर रहेंगे लेकिन यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद होंगे जिससे कभी कभी अप्रिय स्थिति उत्पन्न होगी परन्तु कुछ समय उपरान्त सब कुछ ठीक हो जाएगा।

आपके जन्म समय में सूर्य सप्तम भाव में स्थित है अतः आपके पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं शारीरिक कष्ट की अनुभूति नहीं होगी। उनकी आयु भी लम्बी होगी तथा आपके प्रति उनके मन में पूर्ण वात्सल्य का भाव रहेगा। विविध प्रकार से धनार्जन करने में वे सफल रहेंगे तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको अपना हार्दिक सहयोग देते रहेंगे। साथ ही आपके विवाह सम्पन्न करने में उनका पूर्ण सहयोग रहेगा एवं आप उनके विश्वास पात्र भी रहेंगे।

आप भी उनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा उनकी आज्ञा पालन करने के लिए नित्य तत्पर रहेंगे। आपके आपसी संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा मतभेदों के उत्पन्न होने के कारण संबंधों में तनाव उत्पन्न हो सकता हैं। फिर भी आप नित्य उनकी सेवा तथा वांछित सहायता एवं सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे एवं अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार के कष्ट नहीं होने देंगे।

आपके जन्म समय में मंगल अष्टम भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता से वे व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। आपके प्रति उनके मन में स्नेह तथा सम्मान का भाव भी विद्यमान रहेगा। धन धान्य से वे प्रायः युक्त रहेंगे एवं यथाशक्ति जीवन में आपको अपना सहयोग तथा सहायता प्रदान करते रहेंगे। साथ ही यदा कदा आप उनसे विशेष रूप से आर्थिक सहयोग भी प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त सुख दुःख में भी वे आपका साथ देंगे तथा अपनी ओर से कोई भी कष्ट नहीं होने देंगे।

आप भी उनको हार्दिक सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सहायता करने के लिए

हमेशा तत्पर रहेंगे। आप के आपसी संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा मतभेदों के कारण उनमें कटुता या तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह तनाव अस्थाई रहेगा एवं शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। जीवन में आप सभी विषम परिस्थितियों में सर्वदा उनकी अपनी ओर से वांछित सहायता प्रदान करते रहेंगे।

आपके लिए ज्येष्ठ मास, तृतीया, अष्टमी तथा त्रयोदशी तिथियां, मूल नक्षत्र, धृतियोग, बवकरण, शनिवार प्रथम प्रहर तथा मकर राशिस्थ चन्द्रमा आपके लिए अशुभ फलदायक हैं। अतः आप 15 मई से 14 जून के मध्य 3,8,13 तिथियों में, मूल नक्षत्र, धृतियोग तथा बवकरण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रयविक्रयादि महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शनिवार, प्रथम प्रहर तथा मकर राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य के प्रति भी सजग रहें।

यदि समय आपके लिए प्रतिकूल चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी अथवा पदोन्नति में व्यवधान उत्पन्न हो रहे हों तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव सूर्य भगवान को प्रातः काल अर्ध्य देना चाहिए तथा रविवार का उपवास रखना चाहिए। साथ ही सोना, माणिक्य, रक्त वस्त्र, रक्त पुष्प, गेहूं, गुड़ आदि पदार्थों का श्रद्धापूर्वक दान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त सूर्य के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 7000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ फल कम होकर शुभ फलों में वृद्धि होगी।

ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं ह्रीं ह्रीं सूर्याय नमः।

SHASTRI DEEPANSHU SHARMA
JAY MAA JYOTISH KENDRA HATKOTI
TEH - JUBBAL SHIMLA HIMACHAL PRADESH - 171206
Mob-9418272812
deepanshusharma239139@gmail.com